This question paper contains **3** printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **5522**

Unique Paper Code : **2304000029**

Name of the Paper : **Understanding Religion (GE)**

Name of the Course : **B.A. Sociology NEP-UGCF**

Semester : **VIII**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **90**

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

Note : — Answers may be written either in English *or* in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी :— इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी **या** हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए; परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt any *four* questions.

All questions carry equal marks.

किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

P.T.O.

1. A sociological perspective of religion rests on understanding the general relationship of the sacred and the profane. Discuss.

   धर्म का समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण पवित्र और सांसारिक के सामान्य संबंध को समझने पर आधारित है। चर्चा कीजिए ।

2. The social-anthropological studies of religion have been heavily influenced by the comparative perspectives of scholars from the west. Comment.

   धर्म के सामाजिक-नृविज्ञान संबंधी अध्ययन पर पश्चिम के विद्वानों के तुलनात्मक दृष्टिकोणों का गहरा प्रभाव पड़ा है । टिप्पणी कीजिए ।

3. What is the relationship between secularization and deprivatization ? Explain the development of secularization in respect to our contemporary political and social life.

   धर्मनिरपेक्षीकरण और निजीकरण के बीच क्या संबंध है ? हमारे समकालीन राजनीतिक और सामाजिक जीवन के संदर्भ में धर्मनिरपेक्षीकरण के विकास की व्याख्या कीजिए ।

4. Explain how the experience of 'darshan' is a transformation from self-healing to serving others.

   समझाइए कि 'दर्शन' का अनुभव कैसे आत्म-उपचार से दूसरों की सेवा में परिवर्तित होता है ।

5. Discuss the fundamental principles of Hinduism as a metaphysical and philosophical tradition.

   हिंदू धर्म के उन मौलिक सिद्धांतों पर चर्चा कीजिए जिन्हें एक आध्यात्मिक और दार्शनिक परंपरा के रूप में देखा जाता है ।

6. Analyse the social and religious significance of the Sant movement as a 'counter-tradition'.

'काउंटर-परंपरा के रूप में संत आंदोलन के सामाजिक और धार्मिक महत्व का विश्लेषण कीजिए ।

7. Examine how religion in contemporary India involves myriad forms of innovation, reinterpretation and hybridization.

यह जाँचें कि समकालीन भारत में धर्म में नवाचार, पुनर्व्याख्या और सम्मिलन के विविध रूप कैसे शामिल हैं ?